पंजाब केसरी
SAT,07 MARCH 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

# सी.आर.एस.यू. जींद को अंतर्राष्ट्रीय पहचान

- यूरोप की प्रतिष्ठित शोध संस्था एफ.सी.टी. पुर्तगाल से जुड़ा विश्वविद्यालय
- कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के प्रयासों से हरियाणा की शिक्षा को मिला वैश्विक मंच

जींद, 6 मार्च (ललित): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद को यूरोप की प्रतिष्ठित विज्ञान एवं शोध फंडिंग संस्था विज्ञान और प्रौद्योगिकी फाऊंडेशन पुर्तगाल के साथ एक सहयोगी संस्थान के रूप में पंजीकृत किया गया है। इस उपलब्धि के साथ अब सी.आर.एस.यू. के शिक्षक और शोधकर्त्ता यूरोप के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजनाओं तथा फंडिंग कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि सी.आर.एस.यू. जींद के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) रामपाल सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। प्रो. सैनी ने यूरोप के कई प्रमुख शिक्षाविदों और शोधकर्त्ताओं के साथ लगातार संवाद तथा कई ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से इस अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को संभव बनाया।

इस सहयोग से विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी और सी.आर.एस.यू. के शिक्षकों तथा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में भाग लेने के नए अवसर खुलेंगे।

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, शिक्षा और ज्ञान परंपरा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एक युवा विश्वविद्यालय होने के बावजूद सी.आर.एस.यू. जींद तेजी से अंतर्राष्ट्रीय शोध और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। यह उपलब्धि न केवल सी.आर.एस.यू. जींद बल्कि पूरे हरियाणा राज्य के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

# संक्षिप्त समाचार

## यूरोप की शोध संस्था एफसीटी पुर्तगाल से जुड़ा सीआरएसयू

**जासं ● जींद** : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय को यूरोप की प्रतिष्ठित विज्ञान व शोध फंडिंग संस्था एफसीटी पुर्तगाल के साथ सहयोगात्मक कार्य संस्थान के रूप में पंजीकृत किया गया है।

कुलपति प्रो. रामपाल सैनी।

इस उपलब्धि के साथ अब सीआरएसयू के शिक्षक और शोधकर्ता यूरोप के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं तथा फंडिंग कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि सीआरएसयू के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। प्रो. सैनी ने यूरोप के कई प्रमुख शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के साथ लगातार संवाद व कई आनलाइन बैठकों के माध्यम से इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग को संभव बनाया।

WWW.YUGMARG.COM
REGD NO. CHD/0061/2006-08 | RNI NO. 61323/95
SATURDAY
MARCH 7, 2026
CHANDIGARH
VOL. 31, NO. 38
12 PAGES, ₹2.00
YUGMARG
Follow us on
@yugmarg.news
@yugmarg
@yugmargtv
@yugmarg
@yugmarg
@yugmarg
✦CHANDIGARH ✦PUNJAB ✦HARYANA ✦HIMACHAL PRADESH ✦DELHI ✦JAMMU & KASHMIR ✦UTTARAKHAND

# International recognition of CRSU Zind — University attached to FCT Portugal: Prof. Ram Pal Saini

**CHAMAN LAL**

**KARNAL**: It is a matter of pride for Haryana that Choudhary has made Ranbir Singh University Jind a Collaborative Institute with the prestigious European science and research funding institution Fundação para a Ciência e a Tecnologia (FCT), Portugal. With this achievement, CRSU teachers and researchers will now be able to participate in international research projects and funding programmes with universities and research institutes in Europe. This important achievement is the Kulguru of CRSU Jind Prof. (Dr.) Ram Pal is the result of Saini's visionary leadership and continuous efforts. Prof. Saini made this international collaboration possible through continuous dialogue with several leading European academics and researchers and several online meetings.The collaboration will give new recognition to the university's research activities on a global scale and open new opportunities for CRSU teachers and researchers to participate in international projects.

This is considered to be an important step towards recognising the rich culture, education and knowledge tradition of Haryana at the global level. Despite being a young university, CRSU Zind Teji is rapidly building its strong identity in the field of international research and education. This achievement is a matter of pride and honour not only for CRSU Jind but for the entire state of Haryana.

Date-07.03.2026

# सीआरएसयू जींद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

**जगमार्ग न्यूज**

**जींद।** चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू), जींद को यूरोप की प्रतिष्ठित विज्ञान एवं शोध अनुदान संस्था 'फुंडासाओ पारा आ सिएंसिया ई आ टेक्नोलोजिया (एफसीटी), पुर्तगाल' के साथ सहयोगी संस्थान के रूप में पंजीकृत किया गया है। इस उपलब्धि के साथ अब सीआरएसयू के शिक्षक और शोधकर्ता यूरोप के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं तथा अनुदान कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। विवि प्रशासन के अनुसार इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का श्रेय सीआरएसयू जींद के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर प्रयासों को जाता है। प्रो. सैनी ने यूरोप के कई प्रमुख शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के साथ लगातार संवाद किया तथा अनेक ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग को साकार किया। इस सहयोग से विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं में भागीदारी, संयुक्त शोध कार्य तथा वैश्विक अनुदान योजनाओं तक पहुंच के नए अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही इससे विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता और नवाचार को भी नई गति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Date-07.03.2026

# सीआरएसयू जींद का पुर्तगाल की प्रतिष्ठित विज्ञान एवं शोध संस्था से समझौता

जींद (जुलाना), 6 मार्च (हप्र)

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू), जींद को यूरोप की प्रतिष्ठित विज्ञान एवं शोध अनुदान संस्था "फुंडासाओ पारा आ सिएंसिया ई आ टेक्नोलोजिया (एफसीटी), पुर्तगाल" के साथ सहयोगी संस्थान के रूप में पंजीकृत किया गया है। इस उपलब्धि के साथ अब सीआरएसयू के शिक्षक और शोधकर्ता यूरोप के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं तथा अनुदान कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय के शोध कार्यों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। विवि प्रशासन के अनुसार इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का श्रेय सीआरएसयू जींद के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर प्रयासों को जाता है। प्रो. सैनी ने यूरोप के कई प्रमुख शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के साथ लगातार संवाद किया तथा अनेक ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग को साकार किया। इस सहयोग से विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं में भागीदारी, संयुक्त शोध कार्य तथा वैश्विक अनुदान योजनाओं तक पहुंच के नए अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही इससे विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता और नवाचार को भी नई गति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक अपेक्षाकृत युवा विश्वविद्यालय होने के बावजूद सीआरएसयू जींद तेजी से अंतरराष्ट्रीय शोध और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

■ विवि के शोधार्थियों की वैश्विक अनुदान योजनाओं तक पहुंच होगी संभव

अमर उजाला

Date-07.03.2026

न्यूज डायरी

# शोध के क्षेत्र में सीआरएसयू की बड़ी छलांग

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय को यूरोप की प्रतिष्ठित विज्ञान और शोध फंडिंग संस्था फंडाकाओ पुर्तगाल के साथ सहयोगात्मक संस्थान के रूप में पंजीकृत किया गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ अब विश्वविद्यालय के शिक्षक और शोधकर्ता यूरोप के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं तथा फंडिंग कार्यक्रमों में सीधे भाग ले सकेंगे। कुलपति प्रो.राम पाल सैनी ने यूरोपीय शिक्षाविदों के साथ कई दौर की ऑनलाइन बैठकों से इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग को धरातल पर उतारा है। सीआरएसयू का वैश्विक स्तर पर पंजीकृत होना शोधकार्यों को नई पहचान दिलाएगा। संवाद